B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Shalakya Tantra - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नेत्र की पंचभौतिक व दोषिक उत्पत्ति, प्रमाण, आकार, नेत्र मण्डल संधि व पटलों व मर्मों का सचित्र वर्णन करें। 15

2. पक्ष्मकोप रोग की सम्प्राप्ति, लक्षण व चिकित्सा लिखें। 15

3. पूयालस रोग की सम्प्राप्ति, लक्षण व चिकित्सा का उभयमत से वर्णन करें। 7+8=15

4. व्रणशुक्ल नेत्ररोग के कारण, लक्षण, साध्यासाध्यता व चिकित्सा लिख कर Corneal Ulcer की सम्प्राप्ति लक्षण व चिकित्सा लिखें। 8+7=15

5. शुष्काक्षिपाक रोग के लक्षण व चिकित्सा लिखकर Cataract के कारण लक्षण व चिकित्सा विधियों का वर्णन करें। 5+10=15

6. **टिप्पणी लिखें** :-

   क) लिङ्गनाश वर्गीकरण व साध्यासाध्येता। 5

   ख) अर्जुन नेत्ररोग। 5

   ग) आश्च्योतन क्रिया कल्प। 5

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Shalakya Tantra - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नासा की पार्श्वभित्ति (Lateral wall) की रचना सचित्र प्रस्तुत कर Paranasal sinusitis रोग के कारण, सम्प्राप्ति, लक्षण व चिकित्सा लिखें। 15

2. अर्धावभेदक शिरोरोग के कारण, सम्प्राप्ति, लक्षण व चिकित्सा लिख कर सामान्य शिरोशूल की Migraine से विभेदक तालिका प्रस्तुत करें। 15

3. **नोट लिखें** :- 3X5=15
   - क) कवल व गण्डूष के निर्देश व विधि
   - ख) काष्ठ विद्रधि
   - ग) कर्ण संधान

4. दन्त व दन्तमूल की सचित्र रचना प्रस्तुत कर कृत्रिम दन्त व Dental Caries के कारण, सम्प्राप्ति, लक्षण व चिकित्सा लिखें। 15

5. तुण्डीकेरी व Peritonsillitis रोग के कारण लक्षण व चिकित्सा लिखें। 15

6. **नोट लिखें** :- 15
   - क) नासागत रक्त पित्त
   - ख) Otalgia
   - ग) धूमक्रिया कल्प

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Charak Samhita
[Uttrardha]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रसायन सेवन की केवलामलक रसायन विधि किस प्रकार से की जाती है ? स्पष्ट रूप से वर्णित करते हुए अनौषध-वाजीकरण का तात्पर्य है ? स्पष्ट करें। 15

2. उन्माद चिकित्सा में परस्पर -प्रदिद्वन्द्व-चिकित्सा का क्या तात्पर्य है? स्पष्ट करें। भूतोन्माद की चिकित्सा विस्तार से लिखें। 15

3. उदररोग की उत्तरोत्तर कृच्छसाध्यता व असाध्यता से क्या समझते हैं स्पष्ट करें।
तथा-
कफे वातेन पित्तेन नाम्यां वाडप्यावृतेडनिले।
बलिनः स्वौषधयुतं तैलमेरण्डजं हितम्।। 15
श्लोक की व्याख्या करें।

4. दोषानुसार सहपान का क्या अर्थ है? स्पष्ट करें तथा
तीक्ष्णोष्णान्याशुकारीणि विकाशीनि गुरूणि च ।
विलाययन्ति दोषौ द्वौ मारूतं कोपयन्ति च।।
इस श्लोक का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए कौन सी औषधियों के विषय में यह वर्णन आया है तथ वह किस कर्म में प्रयुक्त होती हैं? स्पष्ट करें । 15

5. वस्ति की निरूक्ति क्या है ? वर्णित करते हुए, वस्तियों की विभिन्न संख्या तथा नामनिर्देश करें। 15

6. **निम्न पर टिप्पणी लिखें**- 15
   क) ग्राम्याहार से हानि
   ख) किराततिक्तकादि क्वाथ
   ग) मुस्तादियापन वस्ति

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Kaumarbhritya

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कौमारभृत्य विषय के प्रतिपादन में काश्यप संहिता का योगदान वर्णित कीजिए। 15

2. सद्योजात बालक की परिचर्या का वर्णन कीजिए। 15

3. अ) एक वर्ष की आयु में होने वाला शारीरिक एवं मानसिक विकास (Physical and mental development) 5
   ब) बालकों के मानसिक विकास में खिलौनों की उपादेयता । 5
   स) लेहन कर्म का महत्व। 5

4. बालकों में अतिसार के कारण, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए। 15

5. फक्क रोग का सामंजस्य आधुनिक मतानुसार किस व्याधि स्थिति से कर सकते हैं, इसके भेद का वर्णन करते हुए चिकित्सा लिखें। 15

6. अ) चरक मतानुसार होने वाले क्षीर-दोषों का नामोल्लेख करें। 5
   ब) बालकों को प्रभावित करने वाले ग्रह रोगों का नामोल्लेख करें। 5
   स) बालकों में टीकाकरण। 5

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Shalya Tantra - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1.	क)	रक्तस्राव के कारण, लक्षण, एवं चिकित्सा लिखें।	10
	ख)	अग्नि कर्म चिकित्सा विधि।	5
2.	**संक्षेप में लिखें :-**		
	क)	अष्टविध शस्त्र कर्म	10
	ख)	संधान कर्म	5
3.		षष्टि उपकर्मों का विवेचन संक्षेप में कीजिए।	15
4.	**निम्न के बारे में लिखें :-**		
	A)	Anaesthesia	10
	B)	Internal Haemorrhage	5
5.	**संक्षेप में लिखें।**		
	A)	CT Scan	5
	B)	Wound inflections	5
	C)	सीवन कर्म Suturing technique	5
6.	क)	व्रणवंधन का विवेचन कीजिए	10
	ख)	रक्तमोक्षण पर टिप्पणी लिखें	5

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Shalya Tantra - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. ग्रन्थि रोग (Cyst) का वर्णन करते हुए उसकी चिकित्सा लिखें। 15

2. अस्थि के संक्रमण जन्य रोगों का उल्लेख कर के तीव्र मज्जस शोध (Acute ostromyelities) का चिकित्सा सहित वर्णन कीजिए । 15

3. अन्तः पूयता (Empyema) का सापेक्ष निदान बताते हुए चिकित्सा सहित वर्णन कीजिए। 15

4. आमाशयिक व्रण के प्रकार, लक्षण व चिकित्सा का वर्णन कीजिए। 15

5. आन्त्रवृद्धि (Herria) के प्रकार, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 15

6. **टिप्पणी लिखें** :- 15

   क) निरूद्ध प्रकाश (Phimosis)

   ख) विषाक्त गलगण्ड (Toxic goitre)

   ग) कोष (gangrene)

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Kayachikitsa- A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. व्याधि उत्पत्ति में स्त्रोत्रों में महत्व को प्रतिपादित करते हुए स्त्रोत्रों विकृति एवं उनके चिकित्सा सिद्धान्त लिखिए। 15

2. दोषों के प्रकोपक कारणों का उल्लेख करते हुए दूष्यों का नाम विवेचन कीजिए। 15

3. **टिप्पणी लिखें**। 15
   क) स्वकृत एवं व्याधिक्षमत्व
   ख) चिकित्सा के अंग
   ग) लौकिकी चिकित्सा

4. स्थानानुरुप चिकित्सा एवं लक्षणानुकष चिकित्सा का उदाहरण सहित विस्तृत वर्णन करते हुए विशुद्ध चिकित्सा की परिभाषा लिखें। 15

5. धातु प्रदोषज विकार सूत्र लिखकर आवरणों की संख्या के साथ चिकित्सा सूत्र लिखें 15

6. **टिप्पणी लिखें**। 15
   क) दृष्य देशाअनुरूप चिकित्सा
   ख) आम दोष एवं चिकित्सा
   ग) युक्तिव्याश्रय चिकित्सा एवं यूनानी चिकित्सा सिद्धान्त

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Kayachikitsa- B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. ज्वर की परिभाषा एवं भेदों का वर्णन करते हुए विषय ज्वर की चिकित्सा लिखें। 15

2. आन्त्रिक ज्वर (Typhoid) का कारण, सम्प्राप्ति, लक्षण, उभयमतानुसार चिकित्सा लिखें। 15

3. **निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें-** 15
   - क) प्रलेपक ज्वर
   - ख) पुनरावर्तक ज्वर
   - ग) ज्वर का सामान्य चिकित्सा सिद्धान्त

4. श्वास रोग के कारण, भेद, सम्प्राप्ति व लक्षणों का वर्णन करते हुए तमक श्वास के भेद एवं चिकित्सा वर्णित कीजिए। 15

5. **निम्न रोगों के लक्षण एवं चिकित्सा लिखिए-**
   - क) मूत्राश्मरी 5
   - ख) प्रवाहिका 5
   - ग) अम्लपित्त 5

6. **निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-**
   - क) पाण्डु की चिकित्सा 5
   - ख) मधुमेह की चिकित्सा 5
   - ग) शीत पित्त-उदर्द 5

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Kayachikitsa- C

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अपतन्त्रक रोग का निदान, सम्प्राप्ति लक्षण एवं चिकित्सा लिखें। 15

2. **निम्न में अन्तर स्पष्ट कर सामान्य चिकित्सा सिद्धान्त लिखें।**
   - क) मांसगत वात एवं स्नायुगत वात। 5
   - ख) खल्ली एवं खम्ज । 5
   - ग) आमाश्यगत एवं पक्वाशयगत वात। 5

3. **निम्न पर टिप्पणी लिखें।**
   - क) भारीधातु (heavymetals) जीनत विषाक्तता । 5
   - ख) कुपोषण जन्यविकार (Malnutration) 5
   - ग) Addisons Disease एडीसन्स व्याधि 5

4. मनोविक्षप्त (Schizohirenial) रोग का निदान, लक्षण एवं चिकित्सा लिखें। 15

5. आत्यीय चिकित्सा से आप क्या समझते है? मधुमेह जन्म उपद्रव (Hypo-Hypenglycemica) के लक्षण एवं चिकित्सा व्यवस्था लिखें। 15

6. **निम्न पर टिप्पणी लिखें** - 15
   - क) अवसाद (Depression)
   - ख) जल अल्पता(Dehydration)
   - ग) औषधि प्रतिक्रिया (Drug Reactioons)

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Kayachikitsa- D

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. "तस्माच्चिकित्सार्धमिति ब्रुवन्ति सर्वा: चिकित्यामपि बस्ति मेके" चरक के इस अभिप्राय को स्पष्ट करते हुए बस्ति चिकित्सा के प्रकार लिखिए। 15

2. पंचकर्म चिकित्सा के पूर्वकर्मों के महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। 15

3. **टिप्पणी लिखें** - 15
   - क) स्वेदन प्रकार
   - ख) स्नेहन के योग आयोगादि के लक्षण
   - ग) संसर्जन क्रम
   - घ) वस्ति यन्त्र गुण दोष विचार
   - ङ) विरेचन योग

4. रसायन की परिभाषा, प्रयोजन, प्रकार, एवं रसायन सेवन विधि का वर्णन करें। 15

5. बाजीकरण शब्द की परिभाषा, प्रयोजन का वर्णन करते हुए दो बाजीकरण योगों का घटक द्रव्यों एवं प्रयोगविधि सहित वर्णन कीजिए। 15

6. **टिप्पणी लिखें** - 15
   - क) आचार रसायन
   - ख) जीवतिक्त (vitamimns) का रसायन
   - ग) प्रशस्त शुक्र के लक्षण
   - घ) सर्वोत्तम वाजीकर द्रव्य
   - ङ) भेध्य रसायन

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Prasooti Tantra Avm
Stri Rog- A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अपरा की संरचना एवं कार्यों का विस्तार से वर्णन करें। 15

2. व्यक्तगर्भा के लक्षण बताएं तथा गर्भिणी-परिचर्या (Antenatal) care) का विस्तृत वर्णन करें 15

3. मृतगर्भा के लक्षण, निदान, उपद्रव एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 15

4. प्रसव की विभिन्न अवस्थाओं के लक्षण एवं परिचर्या विस्तार से लिखें। 15

5. प्रसव की तृतीयावस्था में होने वाले उपद्रव एवं उनकी चिकित्सा लिखें।

6. **संक्षिप्त टिप्पणी लिखें-** 15
   - क) गर्भ सम्भव सामग्री
   - ख) सूतिकागार
   - ग) गर्भरोधक शल्य कर्म

.....

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2009/06

Prasooti Tantra Avm
Stri Rog- B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. श्वेत प्रदर का प्राचीन एवं अर्वाचीन मतानुसार भेद, लक्षण एवं चिकित्सा लिखें। 15

2. स्तन वृद्धि का निदान, भेदानुसार लक्षण लिखते हुए स्तन की लक की चिकित्सा पर प्रकाश डालें। 15

3. स्त्रियों में बन्ध्यत्व के कारणों की विवेचना करते हुए वैदानिक परीक्षण विधिओं का संक्षिप्त वर्णन करें। 15

4. गर्भाशयास्थ अर्वुद के भेद एवं लक्षण का वर्णन करते हुए गर्भाशय निर्हरण विधि का वर्णन करें। 15

5. आर्तवदुष्टि के भेद, लक्षण एवं चिकित्सा बताते हुए गर्भाशय मुख दहन की विधि का उल्लेख करें। 15

6. **टिप्पणी लिखें** :- 15

   क) पुष्यानुग चूर्ण 5

   ख) योगनिकन्द 5

   ग) चन्द्रप्रभावटी 5